मूल्यः एक रूपया

कामधेनु स्टील

इस्पात संदेश

आई एस ओ 9001–2000 सम्मानित कंपनी कामधेनु इस्पात लिमिटेड की गृह पत्रिका, वर्ष–8, अंक–5, जुलाई, 2007

किसी भी ट्रेड संबंधित जानकारी हेतु कृपया KAM टाइप कर 57333 पर एसएमएस करें।

KAM 57333

सपनों के रंग में देश को रंगने उतरी कामधेनु पेंट

फीता काटकर ट्रकों को रवाना करती हुई श्रीमती राधा अग्रवाल, साथ में कामधेनु इस्पात लिमिटेड के सीएमडी श्री सतीश अग्रवाल, निदेशक श्री सुनील अग्रवाल, श्री सौरभ अग्रवाल, श्री सचिन अग्रवाल एवं अन्य

निर्माण क्षेत्र में अपने उत्पादों की श्रृंख्ला को आगे बढ़ाते हुए कामधेनु इस्पात लिमिटेड ने 49 अरब के पेंट कारोबार में "Colour Dreamz" के साथ अपनी दस्तक दे दी है। इसके लिए कंपनी ने 30 करोड़ का शुरुआती निवेश किया है।

राजस्थान के चौपंकी स्थित प्लांट से इसकी पहली खेप 13 जुलाई को बाहर निकली। इस अवसर पर कामधेनु इस्पात लिमिटेड के सीएमडी श्री सतीश अग्रवाल की पत्नी श्रीमती राधा अग्रवाल ने फीता काटा और झंडी दिखाकर ट्रकों को रवाना किया। उन्होंने कहा कि कामधेनु पेंट के बाजार में आ जाने से उपभोक्ताओं के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के रंगों से अपने घरों को सजाने का सपना पूरा होगा। इस अवसर पर निदेशक श्री सुनील अग्रवाल भी उपस्थित थे।

चौपंकी में स्थित इस प्लांट की क्षमता शुष्क पाउडर पेंट के लिए लगभग 12,000 मैट्रिक टन तथा द्रवित पेंट के लिए लगभग 30,000 किलोलीटर प्रति वर्ष की है। कंपनी ने हरियाणा के फरीदाबाद में पहले ही अपना व्यवसायिक केंद्र स्थापित कर लिया है, जबकि 4 जुलाई को दिल्ली में भी एक नया व्यावसायिक केंद्र स्थापित किया गया, जिसके उद्घाटन के अवसर पर कामधेनु पेंट्स के निदेशक श्री सौरभ अग्रवाल, श्री सचिन अग्रवाल, क्षेत्रीय विक्रय प्रबंधक–पेंट्स श्री सुब्रतो उपाध्याय तथा व्यवसायिक एवं उत्पादन प्रबंधक श्री राजकुमार श्रीवास्तव, श्री अनिल राज, श्री विपिन कुमार, श्री राजेश सिंह, एवं श्री सी.के. उप्पल, श्री हिमेश माथुर, श्री एल. सी. यादव, श्री अमित सोनी सहित कंपनी के अन्य कर्मचारियों ने में हिस्सा लिया।

कामधेनु पेंट्स के निदेशक श्री सौरभ अग्रवाल ने कहा कि उत्पादन के पहले चरण में कंपनी बाहरी एवं आंतरिक सज्जा के लिए आवश्यक रंगों रहित, सीमेंट पेंट, जल आधारित प्राइमर, एक्रिलिक डिस्टेंपर, सिथेंटिक एवं जीपी एनामेल, सॉल्वेंट आधारित प्राइमर, वुड फिनिशेज एवं एल्यूमीनियम पेंट्स सहित टेक्सचर एवं डिजाइन वाले फिनिशेज का उत्पादन करेगी।"

इससे पहले कामधेनु पेंट के प्लांट में एक पूजन समारोह का भी आयोजन किया गया। कामधेनु इस्पात लिमिटेड के सीएमडी श्री सतीश अग्रवाल के साथ–साथ निदेशक श्री सचिन अग्रवाल एवं श्री सौरभ अग्रवाल ने इस पवित्र अवसर पर हिस्सा लेकर सभी का उत्साह बढ़ाया।

इस नयी पहल पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कामधेनु इस्पात लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री सतीश अग्रवाल ने कहा "हमने एक सोची–समझी रणनीति के तहत बाजार की संभावनाओं को देखते हुए पेंट के कारोबार में कदम रखा है। इसके लिए हमने एक तरफ तो बैंकों से वित्तीय मदद हासिल की है तो दूसरी तरफ अपने अंदरूनी स्त्रोंतों के जरिए भी राशि जुटायी है।" कंपनी का लक्ष्य कामधेनु पेंट (Colour Dreamz) को देश के कोने–कोने तक पहुँचाने का है। इस संयंत्र से उत्पादन शुरू होने के साथ ही कंपनी पहले चरण में पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड के बाजार में Colour Dreamz को उतारेगी। इसके लिए कंपनी अपने विक्रेता एवं वितरकों के विस्तृत नेटवर्क का इस्तेमाल करेगी और साथ ही नए विक्रेताओं एवं वितरकों को भी अपने साथ जोड़ने का काम करेगी। इसके अलावा कंपनी अपनी मार्केटिंग टीम को और मजबूत करेगी तथा कामधेनु पेंट की बिक्री एवं प्रचार के लिए सुयोग्य एवं अनुभवी विक्रय प्रतिनिधियों को अपने साथ जोड़ेगी।

कामधेनु जीवनधारा : गरीब बच्चों को साक्षर बनाने की एक महत्वपूर्ण पहल

कामधेनु इस्पात लिमिटेड अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति पूरी तरह सजग है। इसकी समाज निर्माण शाखा कामधेनु जीवनधारा ने गरीब बच्चों को साक्षर करने का बीड़ा उठाया है। इसके लिए एक गैर-सरकारी संस्था की मदद भी ली जा रही है। हाल ही में कामधेनु जीवनधारा के तहत कई गरीब बच्चों को तीसरी एवं पाँचवी कक्षा की परीक्षा में बिठाया गया। कामधेनु जीवनधारा के प्रयासों से इन बच्चें ने अच्छे अंकों के साथ अपनी परीक्षाएं पास की। सभी बच्चों को प्रमाणपत्र भी दिया गया। इसके साथ ही बच्चे अब आगे की पढ़ाई में भी जुट गए हैं। कामधेनु जीवनधारा ने रेवाड़ी के एक स्कूल में बच्चों के लिए वाटर कूलर का इंतजाम भी करवाया है, ताकि बच्चे इस तपती धूम में सही तरीके से अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें।

समाज में गरीब तबके के बच्चों के सामने जिस तरह की आर्थिक मजबूरियाँ होती है। उसके चलते बड़ी संख्या में बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इसे देखते हुए कामधेनु जीवनधारा न केवल बच्चें को शिक्षा की राह में आगे लाने का प्रयास कर रही है बल्कि इन बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा देकर नए जमाने की लीक पर चलने को तैयार कर रही है। इन बच्चों की लगन और मेहनत को देखकर सहज ही यह कहा जा सकता है कि अगर अवसर मिले को कोई भी कामयाबी की मंजिलों तक पहुँच सकता है। इन बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर देकर कामधेनु जीवनधारा इन्हें मुख्यधारा में लाना चाहती है ताकि गलत राह पर न जाकर ये बच्चें आत्मनिर्भर होकर अपनी आजीविका चला सकें।

पानीपत में आयोजित की गयी सीएपी

अपने उपभोक्ताओं को कंपनी की गतिविधियों से अवगत कराने एवं नए उत्पादों के बारे में जानकारी देने के लिए कामधेनु इस्पात लिमिटेड ने इस बार हरियाणा के पानीपत में 16 जुलाई को एक उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। पानीपत के होटल रीजेन्सी में आयोजित इस कार्यक्रम में कामधेनु इस्पात लिमिटेड के निदेशक श्री सुनील अग्रवाल के साथ–साथ एजीएम शातुल अग्रवाल, जीएम श्री राकेश मिश्री, एजीएम श्री अमित सोनी एवं डिस्ट्रीब्यूटर श्री संजय गुप्ता भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री सुनिल अग्रवाल ने कहा "कंपनी के उत्पादों पर उपभोक्ताओं के भरोसे को देखते हुए हम इसे नयी ऊँचाइयों की ओर ले जाने के लिए प्रयासरत हैं। अपने उत्कृष्ट गुणवत्ता के मानदंडों पर कायम रहते हुए हमने निर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी होने का गौरव हासिल किया है। शीघ्र ही कंपनी अपने कई नए उत्पादों के साथ बाजार में उतरने जा रही है। कंपनी को पूरा भरोसा है कि उपभोक्ता नए उत्पादों को भी अपना पूरा समर्थन देंगे। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए हम अपने मार्केटिंग नेटवर्क को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे।"

इस अवसर पर जीएम श्री राकेश मिश्री ने कार्यक्रम में आए सम्मानित अतिथियों एवं उपभोक्ताओं के सामने कंपनी की गतिविधियों की जानकारी पीपीटी प्रेजेंटेशन के जरिए दी। डिस्ट्रीब्यूटर श्री संजय गुप्ता ने अपने उपभोक्ताओं को धन्यवाद दिया और यह भरोसा जताया कि आगे भी इनका समर्थन हमें इसी प्रकार मिलता रहेगा।

कामधेनु इस्पात लिमिटेड के निदेशक श्री सुनील अग्रवाल, सुश्री शातुल अग्रवाल, जीएम श्री राकेश मिश्री, डिस्ट्रीब्यूटर श्री संजय गुप्ता

इस अवसर पर 160 से अधिक उपभोक्ता, राजमिस्त्री एवं निर्माण क्षेत्र से जुड़े कई अतिथियों ने हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम से जुड़ी गतिविधियों का संचालन एजीएम श्री अमित सोनी ने किया।

मनमोहन सरकार ने पास की अग्निपरीक्षा

परमाणु करार के शोर में गुम हुए कई अहम मुद्दे

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 22 जुलाई को लोकसभा में बहुमत हासिल कर परमाणु करार की राह में एक महत्वपूर्ण रुकावट को पार कर लिया। कांग्रेस के लिए यह कामयाबी आज नहीं तो कल एक मील का पत्थर साबित होगी। वामदलों की अमेरिका विरोधी नीतियों की यह एक करारी शिकस्त रही। साथ ही एनडीए सहित कई छोटे दलों की सारी मशक्कत पर पानी फिर गया। परमाणु करार के मुद्दे पर अलग हुए वामदलों के लिए तो यह सदमा कहीं और गहरा है क्योंकि उनकी सारी तैयारियाँ बेकार गईं। जिस यूपीए सरकार को उन्होंने चार सालों तक सहयोग दिया उसने उसके ही एक करीबी दल समाजवादी पर्टी से हाथ मिला लिया। सरकार बचाने और गिराने की जोड़–तोड़ कुछ इस कदर हावी रही कि न केवल परमाणु करार की बात पीछे छूट गयी बल्कि आम आदमी की जिन तकलीफों को दूर करने का वादा कर यह सरकार सत्ता में पहुँची थी, वे सभी पीछे छूट गए।

मजे की बात तो यह है कि वाम दलों ने यूपीए की सरकार का साथ छोड़ा भी तो उस मुद्दे पर जिसका आम आदमी की रोजी–रोटी से कोई सीधा वास्ता नहीं है। आज महँगाई अपने चरम पर है लेकिन इसकी चिंता न तो कांग्रेस को है और ना ही वाम दलों को। चुनाव की घड़ी अब ज्यादा दूर नहीं, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कमजोर हो रही है। औद्योगिक विकास की दर घटती जा रही है। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, कुशासन का बोलबाला है। पेट्रोल–डीजल और खाने की चीजों के दाम बेतहाशा बढ़ गए हैं। किसानों की हालत पतली हो गयी है। ऐसे में परमाणु करार को लेकर इतनी हाय–तौबा मचाना कितना सही है। हालांकि मुख्य विपक्षी दल भजपा भी यह मानती है कि परमाणु करार गलत नहीं है लेकिन इसके लिए राष्ट्र हित को दांव पर लगाना ठीक नहीं है।

मनमोहन सरकार को गिराने की पहल के लिए परमाणु करार भले ही एक बहाना बना हो, लेकिन इस मशक्कत में सांसदों की खरीद–फरोख्त का बाजार इतना गरम हो गया कि लोकतंत्र की प्रतिष्ठा धूल में मिल गयी। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि आज भले ही मनमोहन सिंह अपनी अग्निपरीक्षा में सफल साबित हो गए हों, लेकिन अभी उन्हें अग्नि पथ पर चलना बाकी है। जिन दलों की बैशाखी पर यह सरकार टिकी है उनकी मांगों को प्राथमिकता देनी होगी। साथ ही महँगाई, बेरोजगारी, कुशासन, भ्रटाचार के अलावा बिजली, सड़क और पानी जैसे बुनियादी मुद्दों पर अपनी हालत को बेहतर बनाना होगा।

कामधेनु परिवार ने की स्विटज़रलैंड की सैर

कामधेनु इस्पात लिमिटेड और इसके सहयोगी कंपनियों के अधिकारियों की एक टीम कामधेनु ब्रांड के प्रचार–प्रसार एवं सैर–सपाटे के लिए स्विटज़रलैंड पहुँची। इस टीम में कामधेनु इस्पात लिमिटेड के सीएमडी श्री सतीश अग्रवाल एवं उनकी पत्नी श्रीमती राधा अग्रवाल के अलावा कामधेन ब्रांड की सहयोगी इकाई आशियाना इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक श्री नीरज जैन एवं उनकी पत्नी श्रीमती वंदना जैन, ग्रोवर रोलिंग मिल, गाजियाबाद के निदेशक श्री बालकिशन अटल एवं उनकी पत्नी श्रीमती रजनी अटल, एडवांस इम्पैक्स, गाजियाबाद के निदेशक श्री पवन गर्ग एवं श्रीमती संगीता गर्ग, कामधेनु समूह के वरिष्ठ जीएम मार्केटिंग एवं सेल्स श्री राजीव शर्मा सहित दो बच्चे भी शामिल हुए। टीम के सदस्यों ने स्विटजरलैंड की खूबसूरत वादियों का जी–भरकर नजारा किया और साथ ही कामधेनु ब्रांड को एक नयी ऊँचाई की ओर ले जाने का संकल्प भी दोहराया। कामधेनु परिवार की इस टीम ने ज्यूरिख एवं ल्यूसियाना शहरों में घूमने–फिरने का आनंद उठाया। माउंट जंगफारू एवं माउंट टिटलिस की सैर तो इतनी रोमांचक थी कि इसकी यादों को लंबे समय तक भुलाया नहीं जा सकेगा।

कामधेनु इस्पात लिमिटेड के सीएमडी श्री सतीश अग्रवाल एवं श्रीमती राधा अग्रवाल ने टीम के सदस्यों का उत्साह बढ़ाया और कहा कि कामधेनु परिवार के बीच आपसी संबंधों को प्रगाढ़ करने का इससे बेहतर मौका भला और क्या हो सकता था। आशियाना इंडस्ट्रीज, ग्रोवर रोलिंग मिल एवं एडवांस इम्पैक्स के निदेशकों ने कहा कि इस तरह के कैम्पेन न केवल हमारे विश्वास को मजबूत करते हैं बल्कि कम्पनी के उत्पादों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत पहचान बनाने में मदद करते हैं।

एक सप्ताह की इस सैर ने सभी सदस्यों को तरोताजा कर दिया। सभी लोग एक नयी उमंग के साथ अपने–अपने घरों को लौटे। खास तौर पर परिवार के साथ बिताए इन खूबसूरत पलों को हर कोई अपनी यादों में संजोकर रखना चाहेगा।

मनमोहन सरकार ने पास की अग्निपरीक्षा

परमाणु करार के शोर में गुम हुए कई अहम मुद्दे

प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 22 जुलाई को लोकसभा में बहुमत हासिल कर परमाणु करार की राह में एक महत्वपूर्ण रुकावट को पार कर लिया। कांग्रेस के लिए यह कामयाबी आज नहीं तो कल एक मील का पत्थर साबित होगी। वामदलों की अमेरिका विरोधी नीतियों की यह एक करारी शिकस्त रही। साथ ही एनडीए सहित कई छोटे दलों की सारी मशक्कत पर पानी फिर गया। परमाणु करार के मुद्दे पर अलग हुए वामदलों के लिए तो यह सदमा कहीं और गहरा है क्योंकि उनकी सारी तैयारियाँ बेकार गईं। जिस यूपीए सरकार को उन्होंने चार सालों तक सहयोग दिया उसने उसके ही एक करीबी दल समाजवादी पर्टी से हाथ मिला लिया। सरकार बचाने और गिराने की जोड़–तोड़ कुछ इस कदर हावी रही कि न केवल परमाणु करार की बात पीछे छूट गयी बल्कि आम आदमी की जिन तकलीफों को दूर करने का वादा कर यह सरकार सत्ता में पहुँची थी, वे सभी पीछे छूट गए।

मजे की बात तो यह है कि वाम दलों ने यूपीए की सरकार का साथ छोड़ा भी तो उस मुद्दे पर जिसका आम आदमी की रोजी–रोटी से कोई सीधा वास्ता नहीं है। आज महँगाई अपने चरम पर है लेकिन इसकी चिंता न तो कांग्रेस को है और ना ही वाम दलों को। चुनाव की घड़ी अब ज्यादा दूर नहीं, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कमजोर हो रही है। औद्योगिक विकास की दर घटती जा रही है। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, कुशासन का बोलबाला है। पेट्रोल–डीजल और खाने की चीजों के दाम बेतहाशा बढ़ गए हैं। किसानों की हालत पतली हो गयी है। ऐसे में परमाणु करार को लेकर इतनी हाय–तौबा मचाना कितना सही है। हालांकि मुख्य विपक्षी दल भजपा भी यह मानती है कि परमाणु करार गलत नहीं है लेकिन इसके लिए राष्ट्र हित को दांव पर लगाना ठीक नहीं है।

मनमोहन सरकार को गिराने की पहल के लिए परमाणु करार भले ही एक बहाना बना हो, लेकिन इस मशक्कत में सांसदों की खरीद–फरोख्त का बाजार इतना गरम हो गया कि लोकतंत्र की प्रतिष्ठा धूल में मिल गयी। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि आज भले ही मनमोहन सिंह अपनी अग्निपरीक्षा में सफल साबित हो गए हों, लेकिन अभी उन्हें अग्नि पथ पर चलना बाकी है। जिन दलों की बैशाखी पर यह सरकार टिकी है उनकी मांगों को प्राथमिकता देनी होगी। साथ ही महँगाई, बेरोजगारी, कुशासन, भ्रटाचार के अलावा बिजली, सड़क और पानी जैसे बुनियादी मुद्दों पर अपनी हालत को बेहतर बनाना होगा।

कामधेनु परिवार ने की स्विटज़रलैंड की सैर

कामधेनु इस्पात लिमिटेड और इसके सहयोगी कंपनियों के अधिकारियों की एक टीम कामधेनु ब्रांड के प्रचार–प्रसार एवं सैर–सपाटे के लिए स्विटज़रलैंड पहुँची। इस टीम में कामधेनु इस्पात लिमिटेड के सीएमडी श्री सतीश अग्रवाल एवं उनकी पत्नी श्रीमती राधा अग्रवाल के अलावा कामधेन ब्रांड की सहयोगी इकाई आशियाना इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक श्री नीरज जैन एवं उनकी पत्नी श्रीमती वंदना जैन, ग्रोवर रोलिंग मिल, गाजियाबाद के निदेशक श्री बालकिशन अटल एवं उनकी पत्नी श्रीमती रजनी अटल, एडवांस इम्पैक्स, गाजियाबाद के निदेशक श्री पवन गर्ग एवं श्रीमती संगीता गर्ग, कामधेनु समूह के वरिष्ठ जीएम मार्केटिंग एवं सेल्स श्री राजीव शर्मा सहित दो बच्चे भी शामिल हुए। टीम के सदस्यों ने स्विटजरलैंड की खूबसूरत वादियों का जी–भरकर नजारा किया और साथ ही कामधेनु ब्रांड को एक नयी ऊँचाई की ओर ले जाने का संकल्प भी दोहराया। कामधेनु परिवार की इस टीम ने ज्यूरिख एवं ल्यूसियाना शहरों में घूमने–फिरने का आनंद उठाया। माउंट जंगफारू एवं माउंट टिटलिस की सैर तो इतनी रोमांचक थी कि इसकी यादों को लंबे समय तक भुलाया नहीं जा सकेगा।

कामधेनु इस्पात लिमिटेड के सीएमडी श्री सतीश अग्रवाल एवं श्रीमती राधा अग्रवाल ने टीम के सदस्यों का उत्साह बढ़ाया और कहा कि कामधेनु परिवार के बीच आपसी संबंधों को प्रगाढ़ करने का इससे बेहतर मौका भला और क्या हो सकता था। आशियाना इंडस्ट्रीज, ग्रोवर रोलिंग मिल एवं एडवांस इम्पैक्स के निदेशकों ने कहा कि इस तरह के कैम्पेन न केवल हमारे विश्वास को मजबूत करते हैं बल्कि कम्पनी के उत्पादों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत पहचान बनाने में मदद करते हैं।

एक सप्ताह की इस सैर ने सभी सदस्यों को तरोताजा कर दिया। सभी लोग एक नयी उमंग के साथ अपने–अपने घरों को लौटे। खास तौर पर परिवार के साथ बिताए इन खूबसूरत पलों को हर कोई अपनी यादों में संजोकर रखना चाहेगा।